प्रश्न पत्र – पंचम (हिंदी) PAPER – V (HINDI)

दिनांक: 09.08.2024 **पूर्णांक:100**
समय: 10.00 पू. से **12.00** अ. **(**2 घंटा**)** **उत्तीर्णांक:50**

निर्देश: 1. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं|** 2. **परीक्षा के दौरान मोबाइल / स्मार्ट फ़ोन के प्रयोग पूर्णतयः वर्जित है|**

==========

प्रश्न 1: **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क.) **(1x7=7)**

संवाद में दोनों पक्ष बोलें यह आवश्यक नहीं। प्रायः एक व्यक्ति की संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है। यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है। मन से हारे दुखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नहीं अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है। बोलने वाले के हावभाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक-सामाजिक पृष्ठभूमि को पल भर में बता देते हैं। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े-बड़े मसले, अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं।

पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक-दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ। श्रोता उन्हें कान से सुनें और मन से अनुभव करें तभी उनका लाभ है, तभी समस्याएँ सुलझने की संभावना बढ़ती है और कम-से-कम यह समझ में आता है कि अगले के मन की परतों के भीतर है क्या? सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्रायः अकुशल होते हैं। दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिए हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता।

हम तो बस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं। तब दूसरे पक्ष को झुंझलाहट होती है। वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला। रहीम ने ठीक ही कहा था-"सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।" ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है। लोग तो पेड़-पौधों से, नदी-पर्वतों से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं। राम ने इन सबसे पूछा था क्या आपने सीता को देखा?' और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी। इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए।

(i) **उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।**
(ii) **संवादहीनता' से क्या तात्पर्य है ? यह स्थिति मौन भागीदारी से कैसे भिन्न है?**
(iii) **भाव स्पष्ट कीजिए- "यह उतावलापन हमें संवाद की आत्मा तक नहीं पहुँचने देता।"**
(iv) **दुखी व्यक्ति से संवाद में दूसरा पक्ष कब अधिक लाभकर होता है? क्यों?**
(v) **सुनना कौशल की कुछ विशेषताएँ लिखिए।**
(vi) **हम संवाद की आत्मा तक प्रायः क्यों नहीं पहुँच पाते?**
(vii) **रहीम के कथन का आशय समझाइए।**

(ख.) **(1x7=7)**

भारत प्राचीनतम संस्कृति का देश है। यहाँ दान पुण्य को जीवनमुक्ति का अनिवार्य अंग माना गया है। जब दान देने को धार्मिक कृत्य मान लिया गया तो निश्चित तौर पर दान लेने वाले भी होंगे। हमारे समाज में भिक्षावृत्ति की ज़िम्मेदारी समाज के धर्मात्मा, दयालु व सज्जन लोगों की है। भारतीय समाज में दान लेना व दान देना-दोनों धर्म के अंग माने गए हैं। कुछ भिखारी खानदानी होते हैं क्योंकि पुश्तों से उनके पूर्वज धर्म स्थानों पर अपना अड्डा जमाए हुए हैं।

कुछ भिखारी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं जो देश में छोटी-सी विपत्ति आ जाने पर भीख का कटोरा लेकर भ्रमण के लिए निकल जाते हैं। इसके अलावा अनेक श्रेणी के और भी भिखारी होते हैं। कुछ

भिखारी परिस्थिति से बनते हैं तो कुछ बना दिए जाते हैं। कुछ शौकिया भी। इस व्यवसाय में आ गए हैं। जन्मजात भिखारी अपने स्थान निश्चित रखते हैं। कुछ भिखारी अपनी आमदनी वाली जगह दूसरे भिखारी को किराए पर देते हैं। आधुनिकता के कारण अनेक वृद्ध मज़बूरीवश भिखारी बनते हैं।

गरीबी के कारण बेसहारा लोग भीख माँगने लगते हैं। काम न मिलना भी भिक्षावृत्ति को जन्म देता है। कुछ अपराधी बच्चों को उठा ले जाते हैं तथा उनसे भीख मँगवाते हैं। वे इतने हैवान हैं कि भीख माँगने के लिए बच्चों का अंग-भंग भी कर देते हैं। भारत में भिक्षा का इतिहास बहुत पुराना है। देवराज इंद्र व विष्णु श्रेष्ठ भिक्षुकों में थे। इंद्र ने कर्ण से अर्जुन की रक्षा के लिए उनके कवच व कुंडल ही भीख में माँग लिए। विष्णु ने वामन अवतार लेकर भीख माँगी।

धर्मशास्त्रों ने दान की महिमा का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जिसके कारण भिक्षावृत्ति को भी धार्मिक मान्यता मिल गई। पूजा-स्थल, तीर्थ, रेलवे स्टेशन, बसस्टैंड, गली-मुहल्ले आदि हर जगह भिखारी दिखाई देते हैं। इस कार्य में हर आयु का व्यक्ति शामिल है। साल-दो साल के दुध मुँहे बच्चे से लेकर अस्सी-नब्बे वर्ष के बूढ़े तक को भीख माँगते देखा जा सकता है। भीख माँगना भी एक कला है, जो अभ्यास या सूक्ष्म निरीक्षण से सीखी जा सकती है।

अपराधी बाकायदा इस काम की ट्रेनिंग देते हैं। भीख रोकर, गाकर, आँखें दिखाकर या हँसकर भी माँगी जाती है। भीख माँगने के लिए इतना आवश्यक है कि दाता के मन में करुणा जगे। अपंगता, कुरूपता, अशक्तता, वृद्धावस्था आदि देखकर दाता करुणामय होकर परंपरानिर्वाह कर पुण्य प्राप्त करता है।

(i) गद्यांश का समुचित शीर्षक दीजिए।
(ii) "भारत में भिक्षा का इतिहास प्राचीन है"- सप्रमाण सिद्ध कीजिए।
(iii) "भीख माँगना एक कला है"- इस कला के विविध रूपों का उल्लेख कीजिए।
(iv) समाज में भिक्षावृत्ति बढ़ाने में हमारी मान्यताएँ किस प्रकार सहायक होती हैं ?
(v) भिखारी व्यवसाय के विभिन्न स्वरूपों का उल्लेख कीजिए।
(vi) भिखारी दाता के मन में किस भाव को जगाते हैं और क्यों?
(vii) आपके विचार से भिक्षावृत्ति से कैसे छुटकारा पाया जा सकता है?

प्रश्न 2: निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेज़ी से हिंदी में अनुवाद करें। **(10)**

When any information is published for the general public in newspapers, it is called advertisement. This information may be related to jobs, renting a vacant house or may be related to the promotion of a medicine. Some people are critical of advertising. They consider it meaningless. They believe that if a product is really good then it will become popular among the people even without any advertisement whereas bad products will not last long if exposed even with the help of advertising, but this thinking of the people is wrong.

In today's era, the scope of human propagation has become wide. Therefore, advertisements become mandatory. In today's vast world, it is absolutely impossible to get acquainted with the reality of any good thing without advertising. Advertisement is a powerful medium which presents the things we need, increases their demand and ultimately we start purchasing them. If a person or company manufactures something, he is called a producer. The person purchasing those goods and services is called a consumer. Advertising does the work of connecting these two.

प्रश्न 3: **निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी से अंग्रेज़ी में अनुवाद करें।** **(10)**

राष्ट्र केवल ज़मीन का टुकड़ा ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत होती है जो हमें अपने पूर्वजों से परंपरा के रूप में प्राप्त होती है। जिसमें हम बड़े होते हैं, शिक्षा पाते हैं और साँस लेते हैं-हमारा अपना राष्ट्र कहलाता है और उसकी पराधीनता व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी होती है। ऐसे ही स्वतंत्र राष्ट्र की सीमाओं में जन्म लेने वाले व्यक्ति का धर्म, जाति, भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो, आपस में स्नेह होना स्वाभाविक है। राष्ट्र के लिए जीना और काम करना, उसकी स्वतंत्रता तथा विकास के लिए काम करने की भावना राष्ट्रीयता कहलाती है।

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है। राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त है-देश को प्राथमिकता, भले ही हमें 'स्व' को मिटाना पड़े। महात्मा गांधी, तिलक, सुभाषचन्द्र बोस आदि के कार्यों से पता चलता है कि राष्ट्रीयता की भावना के कारण उन्हें अनगिनत कष्ट उठाने पड़े किंतु वे अपने निश्चय में अटल रहे। व्यक्ति को निजी अस्तित्व कायम रखने के लिए पारस्परिक सभी सीमाओं की बाधाओं को भुलाकर कार्य करना चाहिए तभी उसकी नीतियाँ-रीतियाँ राष्ट्रीय कही जा सकती हैं।

प्रश्न 4: **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** (**1x15**=**15**)

प्रश्न 1: संसदीय राजभाषा समिति सर्वप्रथम कब गठित की गई थी?

प्रश्न 2: संविधान के अनुच्छेद 343(2) के अनुसार कितने कालावधि तक के लिए संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी का प्रयोग किया जाना सुनिश्चित किया गया था?

प्रश्न 3: हिन्दी के प्रयोग के पुनरीक्षण के लिए संसदीय राजभाषा समिति की कुल कितनी उप समितियां बनाई गई है?

प्रश्न 4: संसदीय राजभाषा समिति की कौन सी उप समिति द्वारा वित्त मंत्रालय का निरीक्षण किया जाता है?

प्रश्न 5: संसद में प्रयोग होने वाली भाषा का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है ?

प्रश्न 6: संविधान के किस अनुच्छेद में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश दिये गए है?

प्रश्न 7: संविधान की आठवीं अनुसूची संबंधी प्रावधान किस अनुच्छेद में है?

प्रश्न 8: उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में तथा अधिनियमों, विधयकों आदि में प्रयोग की जाने वाली भाषा का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में दिया गया है?

प्रश्न 9: एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच अथवा राज्य और संघ के बीच संचार के लिए राजभाषा का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है?

प्रश्न 10: संसद के दोनों सदनों दवारा राजभाषा संकल्प कब पारित किया गया था ?

प्रश्न 11: राजभाषा आयोग की सिफारिशों पर विचार करने के लिए गठित समिति के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?

प्रश्न 12: संविधान की आठवीं अनुसूची में मैथिली, बोड़ो, डोंगरी और संथाली भाषा को किस वर्ष जोड़ा गया ?

प्रश्न 13: राजभाषा अधिनियम कब पारित हुआ?

प्रश्न 14: राजभाषा अधिनियम को क्या कहा जा सकेगा?

प्रश्न 15: राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) कब से लागू हुआ?

प्रश्न 5:

(क) निम्नलिखित वाक्यांशों को अंग्रेजी में लिखें। **(10)**

1) सरकारी प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रगामी प्रयोग, राजभाषा अधिनियम 1963 व राजभाषा नियम 1976 और उसके अधीन आदेशों की व्यवस्था के प्रभावी अनुपालन/ कार्यान्वयन के लिए जांच बिंदु बनाए जाएं |

2) उपर्युक्त अनुदेश तथा जांच बिंदु सभी सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित किए जाने हेतु नोट किए जाएं|

3) यह सुनिश्चित किया जाए कि विभागीय बैठकों की कार्यसूची एवं कार्यवृत्त हिंदी/द्विभाषी रूप में तैयार की जाती हैं और बैठक के दौरान चर्चा हिंदी में की जाए|

4) यह सुनिश्चित किया जाए कि संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के लिए खरीदी जाने वाली कुल पुस्तकों की 50 प्रतिशत राशि का व्यय हिंदी पुस्तकों की खरीद में किया जाए |

5) **यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यालय में उपलब्ध सभी कम्प्यूटरों पर हिन्दी में कार्य करने की सुविधा है और कम्प्यूटरों में यूनिकोड की सुविधा उपलब्ध है |**

(ख) निम्नलिखित वाक्यांशों को हिंदी में लिखें। (10)

1) **As you know; Storytelling is one of the oldest and most powerful methods of teaching and learning.**

2) **Cultures around the world have always used narratives/stories to pass on beliefs, traditions, and history to future generations.**

3) **Stories enhance the imagination, serve as a bridge to understanding between the storyteller and the listener, and create a common ground for listeners in a multicultural society.**

4) **The objective of the story writing workshop, along with entertainment, is to develop an understanding of contemporary life, to see one's role in it, to understand different situations through characters and to behave accordingly**

5) **The art of writing a good story and making that story-telling come alive for the audience through the use of language, story twists, pace, etc. will be described by the subject experts in the workshop.**

प्रश्न 6: **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यांशों को शुद्ध करे।** (**1x20=20**)

1. **छात्रों ने मुख्य अतिथि को एक फूलों की माला पहनाई।**
2. **भीड़ में चार पटना के व्यक्ति भी थे।**
3. **कई बैंक के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया।**
4. **साहित्य के क्षेत्र में महिला लेखिकाओं की संख्या कम है।**
5. **लाठी बड़ा उपयोगी अस्त्र है।**
6. **चिड़ियाँ गा रही है।**
7. **वह नित्य गाने की कसरत करता है।**
8. **मध्यकालीन युग में कलाओं की बहुत उन्नति हुई।**
9. **इस समय सीता की आयु सोलह वर्ष है।**
10. **धनीराम की सौभाग्यवती पुत्री का विवाह कल होगा।**
11. **कर्मवान व्यक्ति को सफलता अवश्य मिलती है।**
12. **सविता ने जोर से हँस दिया।**
13. **मुझे बहुत आनंद आती है।**
14. **वह धीमी स्वर में बोला।**
15. **राम और सीता वन को गई।**
16. **मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ बशर्ते कि तुम मेरा कहा मानो।**
17. **दरअसल में वह बहुत काइयाँ है।**
18. **फिलहाल में वह मुंबई गया है।**
19. **मेरे मना करने के बावजूद भी वह चला गया।**
20. **वह अभी शैशव अवस्था में है।**

प्रश्न 7: **"राजभाषा हिंदी" विषय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें |** (**06**)

प्रश्न 8: **आकस्मिक अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र हिंदी में प्रस्तुत करें|** (**05**)

*****